

26/7/23

करीब इतिहास अपनी रूखों के जोर
से बस बहस की उपस्थिति नहीं। युवा
गया। डा. पत्र बाजबा स्वीकार किया
जाकर, मूल इतिहास मंत्र पर ले
जाते हैं। डा. पत्र फैसल शुमार किया
जाकर मूल इतिहास के संलग्न रहे।
पत्रा फैसल शुमार की जाकर मंत्र
से इस की जोरें, बाद जाका दखिल
रफ्तार हो।